शम्अ'-ए-रौशन

शायर

मधुसूदन लाल सक्सेना

(रौशन शमशाबादी)

लिप्यांतरण, सम्पादन, संयोजन

बद्र वास्ती, डॉ. नीना श्रीवास्तव

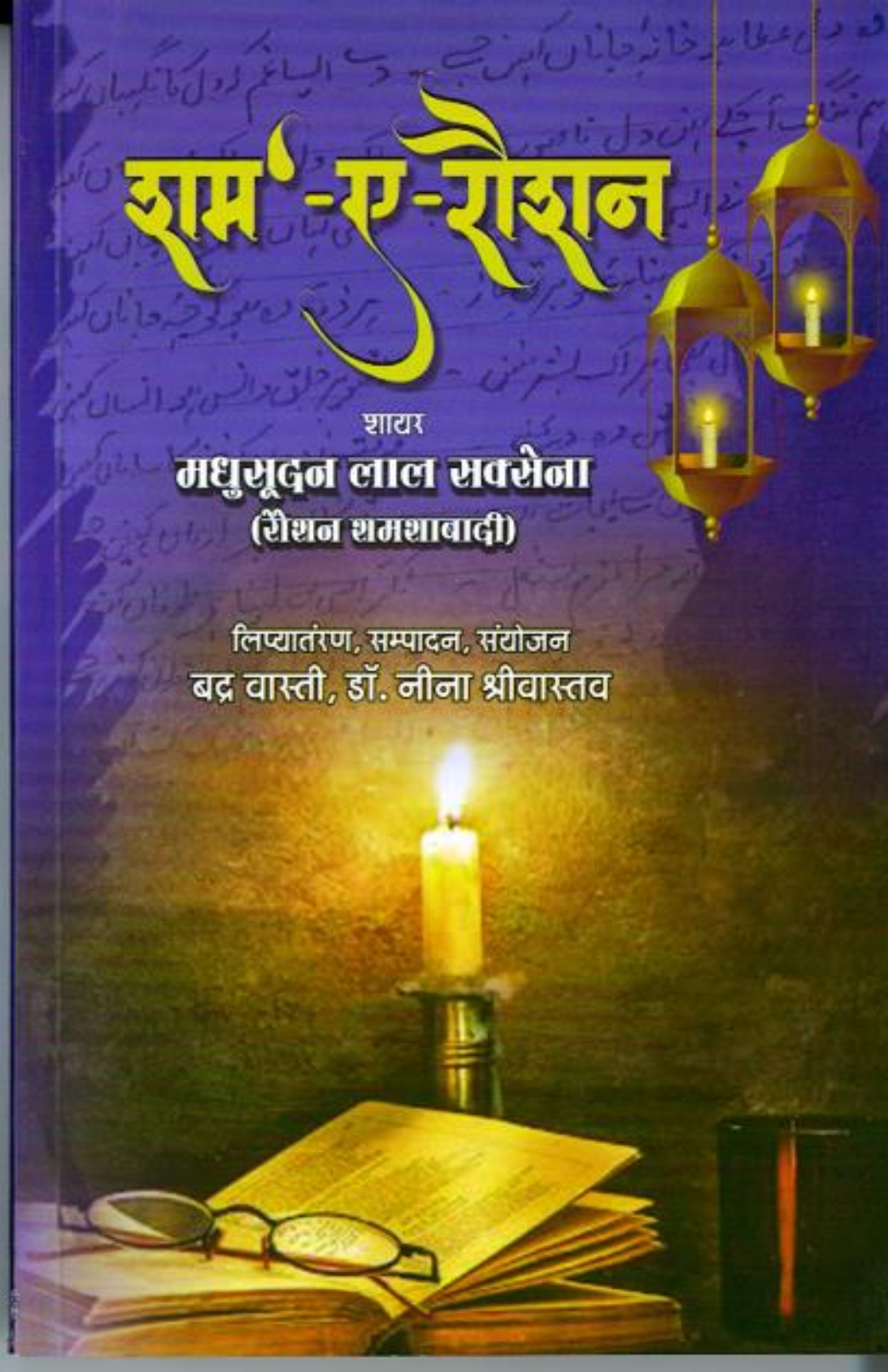

ISBN : 978-93-81520-80-2

शम-ए-रौशन

रौशन शमशाबादी

©: डॉ. नीना श्रीवास्तव

प्रथम संस्करण : 2021

लिप्यांतरण : बद्र वास्ती

संयोजन/सम्पादन : डॉ. नीना श्रीवास्तव, बद्र वास्ती

आवरण : विशेष शर्मा

सहयोग : ₹ 350/-

प्रकाशक : संदर्भ प्रकाशन, भोपाल

मो.: 9424469015

मुद्रक : श्री श्रद्धा ऑफसेट प्रिंटर्स, भोपाल

SHAM-E-RAUSHAN

Poetry by Raushan Shamsabadi

Transcribe : Badr Wasti

Edited by : Dr. Neena Shrivastava, Badr Wasti

डॉ. नीना श्रीवास्तव

कानपुर उत्तर प्रदेश के सांगीतिक परिवार में जन्मी डॉ. नीना श्रीवास्तव मशहूर शायर स्व. श्री मधुसूदनलाल सक्सेना (रौशन शमशावादी) की पौत्री हैं। आपने संगीत की प्रारम्भिक शिक्षा आचार्य बृहस्पति जी की संगीत परम्परा के गुरू श्री नत्थूलाल जी से प्राप्त की, उसके पश्चात पं. रामबाबू भट्ट जी से उपशास्त्रीय संगीत की शिक्षा प्राप्त की।

आपने संगीत में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त कर महाकवि निराला के गीतों का सांगीतिक अनुशीलन विषय पर शोध कार्य किया। आपके 20 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हुए, आपके निर्देशन में कई छात्राओं ने शोध उपाधि अर्जित की है।

वर्तमान में आप सरोजिनी नायडू महाविद्यालय, भोपाल के संगीत विभाग में प्राध्यापक के पद पर कार्यरत हैं।

संदर्भ प्रकाशन

9 789381 520802

₹ 350/-